वर्ष 2005-2006 की हिन्दी रिपोर्ट

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी संवैधानिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है । भारत सरकार , गृह मंत्रालय , राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संस्थान में वर्ष भर अनेकों गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं । सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग को प्रेरणा एवं प्रोत्साहन के जरिए बढ़ावा देने का पूरा प्रयास किया जाता है । इस प्रयोजन के लिए संस्थान में अधिकारियों के लिए **"सर्वाधिक हिन्दी डिक्टेशन "** तथा कर्मचारियों के लिए **''सर्वाधिक हिन्दी कार्य प्रोत्साहन"** योजना लागू की गई हैं । संस्थान राजभाषा विभाग के वार्षिक कार्यक्रम की ही तर्ज पर हर वर्ष अपना एक कार्यक्रम तैयार करता है जिसे पूरे साल के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।

वर्ष 2005-2006 के दौरान राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग, प्रचार-प्रसार व विकास में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संस्थान में अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गई । इन गतिविधियों में से कुछ प्रमुख एवं महत्वपूर्ण गतिविधियाँ इस प्रकार है :-

- वर्ष के दौरान संस्थान के प्रशासन , वित्त , रख-रखाव तथा हिन्दी प्रकोष्ठ ने अपना अधिकांश सरकारी कामकाज हिन्दी में निष्पादित किया ।
- संस्थान के पदाधिकारियों को हिन्दी में काम करने के लिए प्रेरित करने तथा हिन्दी के प्रयोग के प्रति उनके मन में उत्पन्न झिझक को दूर करने के उद्देश्य

से दिनांक 27 मई, 2005 तथा 14 फरवरी, 2006 को दो हिन्दी कार्यशालाएं आयोजित की गई । इनमें लगभग 45 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

- संस्थान में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग की दिशा में हो रहे हिन्दी कार्यो की समीक्षा तथा इस दिशा में भावी रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 30 जनवरी, 2006 को आयोजित की गई ।
- संस्थान के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में हो रहे हिंदी कार्यों की समीक्षा करने तथा इनमें राजभाषा हिंदी के प्रयोग को लक्ष्यानुरूप बढ़ाने हेतु आवश्यक सुझाव देने के लिए प्रभारी अधिकारी हिंदी प्रकोष्ठ ने माह मई/जून ,2005 के दौरान काकीनाडा ,बेलगॉव तथा पटना स्थित क्षेत्रीय केंद्रों का पर्यवेक्षण/निरीक्षण किया तथा आवश्यक सुझाव दिए ।
- संस्थान में दिनांक 14 सितम्बर से 20 सितम्बर , 2005 तक हिंदी दिवस/सप्ताह-2005 का आयोजन किया गया । इसमें हिन्दी की निबन्ध , नोटिंग/ड्राफ्टिंग , काव्य-पाठ, वाद-विवाद तथा क्विज़ आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । इन प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार व प्रमाण पत्र प्रदान किए गए ।
- संस्थान की वार्षिक हिंदी पत्रिका **" प्रवाहिनी"** का 12वाँ अंक (2004-05) प्रकाशित किया गया ।
- सर्वाधिक हिन्दी कार्य प्रोत्साहन योजना के तहत संस्थान के नौ कर्मचारियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए ।
- संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट का हिन्दी संस्करण अंग्रेजी संस्करण के साथ-साथ प्रकाशित किया गया ।

- ग्रामीण महिलाओं को जल संरक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देने के लिए दिनांक 13.3.2006 को ग्राम-मेहवड़ कलॉ , रूड़की में एक कार्यशाला आयोजित की गई । इस कार्यशाला की सम्पूर्ण कार्यवाही हिंदी में आयोजित की गई । इस अवसर पर स्कूली बच्चों के लिए हिंदी काव्य-पाठ , हिंदी-भाषण तथा ड्राइंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई । कार्यशाला में 32 महिलाओं तथा 63 बच्चों ने भाग लिया ।
- वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली के सौजन्य से संस्थान ने 30-31 मार्च , 2006 को हिन्दी में एक तकनीकी कार्यशाला आयोजित करवाई, इसमें लगभग 100 पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया ।
- संस्थान में दिनांक 22 मार्च, 2006 को विश्व जल दिवस मानाया गया । इस दिन को मुक्त- चर्चा दिवस (ओपन-डे) के रूप में घोषित किया गया । **"जल एवं सस्कृति"** विषय पर स्कूली बच्चों के लिए हिंदी में क्विज/लिखित प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें लगभग 65 बच्चों ने भाग लिया । प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कार भी प्रदान किए गए ।

इसके अलावा संस्थान के पदाधिकारियों ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार द्वारा आयोजित निम्नलिखित गतिविधियों में भी भाग लिया:-

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार के उद्घाटन समारोह एवं प्रथम बैठक जो कि 15 दिसम्बर 2005, को बी.एच.ई.एल. हरिद्वार में आयोजित की गई , उसमें निदेशक महोदय, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा प्रभारी अधिकारी हिन्दी प्रकोष्ठ ने भाग लिया ।

- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति , हरिद्वार द्वारा 15 फरवरी, 2006 को आयोजित समन्वयकर्ता सम्मेलन में संस्थान के प्रभारी अधिकारी हिन्दी प्रकोष्ठ ने भाग लिया तथा अपने संस्थान की विभिन्न हिन्दी गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया ।
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति , हरिद्वार द्वारा 18 फरवरी 2006 को बी.एच.ई.एल हरिद्वार में आयोजित हिन्दी अनुवाद तथा पत्र लेखन व टिप्पण प्रतियोगिता में संस्थान के दो कर्मचारियों श्री पी.के. अग्रवाल , प्रधान शोध सहायक तथा श्री संदीप गुप्ता , व्यैक्तिक सहायक ने भाग लिया ।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में अभिवृद्धि सुनिश्चित करने तथा भारत सरकार , गृहमंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सदैव प्रयासरत रहेगा ।